Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to include betel leaf in agricultural produce .

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, देश में पान के पत्ते का उत्पादन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु में बड़ी मात्रा में होता है ।...(व्यवधान) किन्तु पान की खेती को कृषि उत्पादन में शामिल नहीं किया गया है ।...(व्यवधान) इस कारण से आँधी, तूफान, अति वृष्टि, ओला वृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आने पर या ज्यादा ठण्ड पड़ने के कारण जब पान की खेती नष्ट हो जाती है, तो किसानों को न तो कोई क्षतिपूर्ति मिल पाती है और न ही उनको शासन की किसी योजना का लाभ मिल पाता है ।...(व्यवधान) पानी की खेती का काम बहुत ही कच्चा काम होता है ।...(व्यवधान) मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत पीपट, पनागड़ और महाराजपुर में बड़ी मात्रा में इसकी खेती की जाती है ।...(व्यवधान)

मध्य प्रदेश में पान के उत्पादकों द्वारा लम्बे समय से यह माँग की जाती रही है कि पान के पत्ते की खेती को कृषि उत्पादों में शामिल किया जाए ताकि उनको इसकी खेती नष्ट होने पर फसल बीमा योजना का लाभ मिल सके और इसके साथ ही शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी मिल सके ।...(व्यवधान)

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि पान के पत्ते की खेती को कृषि उत्पाद में शामिल किया जाए ताकि इसके उत्पादकों को फसल बीमा योजना और शासन की अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

सर्वश्री एस.सी. उदासी,

दुष्यंत सिंह,

उदय प्रताप सिंह,

गणेश सिंह,

देवजी एम. पटेल,

डॉ. किरीट पी. सोलंकी एवं

गोपाल शेट्टी को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।